वार्षिक प्रतिवेदन

राजकीय महाविद्यालय बन्जार (हि॰ प्र॰)

सत्र : 2017–2018

19वां पुरस्कार वितरण समारोह

दिनाँक : 24 मार्च 2018

मुख्यातिथि

श्री सुरेन्द्र शौरी

विधान सभा सदस्य बन्जार

प्रस्तुति

डॉ॰ मनदीप शर्मा

प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बन्जार

कुल्लू (हि॰ प्र॰) 175123

वार्षिक प्रतिवेदन
राजकीय महाविद्यालय बन्जार (हि॰ प्र॰)
सत्र : 2017–2018

राजकीय महाविद्यालय, बन्जार के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि महोदय, नौजवान और ऊर्जावान विधानसभा सदस्य बन्जार, श्री सुरेन्द्र शौरी का मैं समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत तथा, हार्दिक अभिनंदन करता हूँ तथा यहाँ उपस्थित शिक्षक वर्ग, गैर शिक्षक कर्मचारी, शिक्षक–अभिभावक संघ के सदस्य, केन्द्रीय छात्र परिषद के सदस्य, पत्रकार बन्धु एवं उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का भी दिल की गहराईयों से स्वागत करता हूँ। इस सुअवसर पर महाविद्यालय की गतिविधियों तथा उपलब्धियों से आप सभी को अवगत करवाने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है। प्रकृति ने अपने प्रांगण में छटा विखेरते हुए संस्थान के एक ओर कलरव करती ध्वनि से तीर्थन नदी का प्रवाह, दूसरी ओर श्रृंगा ऋषि जी की छाँह और राष्ट्रीय स्तर पर 'ग्रेटर हिमालयन नेशनल पार्क' की विख्याति ने इसे अनेक नेमतों से भर दिया है।

महोदय, छात्र जीवन के लिए आज का वार्षिक उत्सव अत्यन्त महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वर्ष भर की विभिन्न गतिविधियों में छात्र–शक्ति ने जो सपने संजोये हैं, वो एक लम्बे अन्तराल के बाद पुरस्कारों के रूप में साकार हुये हैं। इसीलिए एक गर्म जोशी का वातावरण तैयार होता है जो पूरे महाविद्यालय को नए सत्र में और अधिक उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। महोदय, आप की अनुमति से मैं अब सत्र 2017–18 के दौरान महाविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों व गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूँ :

संस्थान परिचय

बर्फ से आच्छादित पहाड़ियाँ, नदी की कलरव ध्वनि संस्थान के अध्ययन और अध्यापन के अनुकूल वातावरण प्रदान करती है। **19 मई 1999** में महाविद्यालय के प्रारम्भ के समय यहाँ मात्र **5 प्राध्यापक तथा 84 विद्यार्थी** थे। आज विद्यार्थियों की संख्या **1216** पंहुच गई है। शैक्षणिक कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए **17 प्राध्यापक तथा 11** गैर शिक्षक कर्मचारी कार्यरत हैं। 20–22 अक्तूबर 2016 में राष्ट्रीय परिषद (NAAC) द्वारा संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से महाविद्यालय ने **'बी'** ग्रेड अर्जित किया है। इस शिक्षा केन्द्र में कला संकाय भवन, जिसमें विभिन्न प्रयोगशालाएँ, एक सेमिनार हॉल, परीक्षा हॉल, आई॰ टी॰ प्रयोगशाला और पुस्तकालय स्थापित किया गया है। उच्च शिक्षा की गुणवता को बनाए रखने के लिए आन्तरिक गुणवता आश्वासन सेल

(IQAC) का निर्माण भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के तहत गठित किया गया है। शिक्षा के साथ–साथ खेल–कूद, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) थल स्कन्ध, रोवर्स–रैंज़र, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जा रहा है।

शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी :

वर्तमान में महाविद्यालय में कुल **24** पदों में से **17** पद पर शिक्षक कार्यरत हैं तथा **7** पद रिक्त हैं। इसी प्रकार गैर शिक्षक कर्मचारी वर्ग के कुल **14** पदों में से **11** पद पर कर्मचारी नियुक्त हैं तथा **3** पद रिक्त हैं।

महाविद्यालय बन्जार के शिक्षक वर्ग के स्वीकृत, नियमित, अनुबन्ध तथा रिक्त पदों की स्थिति का विवरणः

क॰ सं॰	पद की श्रेणी सहायक प्रोफेसर	स्वीकृत पदों की संख्या	नियमित आधार पर पदों की संख्या	अनुबन्ध के आधार पर पदों की संख्या	रिक्त पद	अतिरिक्त अपेक्षित कर्मचारी
1.	अंग्रेजी	03	01	–	2	–
2.	गणित	02	01	01	–	–
3.	लोक प्रशासन	01	01	–	–	–
4.	वांणिज्य विभाग	02	–	01	01	01
5.	मुखर संगीत	01	01	–		–
6.	वाद्य संगीत	01	–	–	01	–
7.	शारीरिक शिक्षा	01	–	–	01	–
8.	इतिहास	01	01	–	–	01
9.	हिन्दी	01	–	01	–	01
10.	अर्थशास्त्र	01	01	–	–	–
11.	भूगोल	02	02	–	–	–
12.	संस्कृत	01	–	–	01	–
13	राजनीति शास्त्र	01	01	–	–	–
14.	भौतिकी शास्त्र	02	–	01	01	–
15.	रसायन शास्त्र	01	–	01		–
16.	वनस्पति शास्त्र	01	01	–	–	–
17.	जीव विज्ञान	01	01	–	–	–
18.	समाज शास्त्र	01	01	–	–	–
	कुल पद	**24**	**12**	**05**	**07**	**03**

महाविद्यालय बन्जार के गैर शिक्षक वर्ग के स्वीकृत, कार्यरत तथा रिक्त पदों की स्थिति का विवरणः

क्र॰ सं॰	पद की श्रेणी गैर शिक्षक वर्ग	स्वीकृत पदों की संख्या	कार्यरत पदों की संख्या	रिक्त पद	अतिरिक्त अपेक्षित कर्मचारी
1.	अधीक्षक	01	01	—	—
2.	वरिष्ठ सहायक	01	01	—	—
3.	लिपिक	01	01	—	—
4.	स्टोर कीपर	01	01	—	—
5.	पुस्तकालय अध्यक्ष	01	—	01	—
6.	सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष	01	—	01	—
7.	पुस्तकालय सहायक				पद स्वीकृत नहीं किया गया है।
8.	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	02	02	—	02
9.	सहायक कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	02	01	01	01
10.	चपरासी	02	02	—	—
11.	चौकीदार	01	01	—	—
12.	मेहतर	01	01	—	—
	कुल पद	**14**	**11**	**03**	**03**

आगमन :

डॉ॰ रमेश कुमार यादव (जीव विज्ञान विभाग), प्रो॰ मोनिका नेगी (वाणिज्य विभाग), डॉ॰ कंचन कुमारी (हिन्दी विभाग), डॉ॰ सुनील सेन (शारीरिक शिक्षा विभाग) महाविद्यालय परिवार में सम्मिलित हुए हैं।

गैर शिक्षक कर्मचारी में यशपाल (कनिष्ठ कार्यालय सपादक), डोला सिंह (सेवादार), ओम प्रकाश (कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक) शामिल हुए।

स्थानान्तरण : डॉ॰ जसवन्त सिंह (जीव विज्ञान विभाग), प्रो॰ जोगिन्द्र पाल जसवाल (रसायन शास्त्र विभाग), प्रो॰ पुष्पेन्द्र सिंह (भौतिक शास्त्र विभाग), डॉ॰ शैफाली (अंग्रेजी विभाग), डॉ॰ सुनील सेन (शारीरिक शिक्षा विभाग), महाविद्यालय से स्थानान्तरित होकर प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में गए।

नामांकन

सत्र 2017–18 में संस्थान के शैक्षणिक सत्र की कुल संख्या **1216** है। जिनमें **560** छात्र व **656** छात्राएं हैं। विभिन्न श्रेणियों के विद्यार्थियों का नामांकन का विवरण इस प्रकार से है :

क्र॰ सं॰	संकाय	कक्षा	सामान्य वर्ग		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		कुल छात्र	कुल छात्राएं	कुल जमा
			छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा			
1	कला स्नातक	कला स्नातक प्रथम सत्र	61	134	45	60	2	1	15	12	123	207	330
		कला स्नातक तीसरा सत्र	72	105	54	56	1	1	9	13	136	175	311
		कला स्नातक पांचवां सत्र	68	60	37	47	1	1	2	11	108	119	227
		जमा	**204**	**299**	**136**	**163**	**4**	**3**	**26**	**36**	**367**	**501**	**868**
2	वाणिज्य स्नातक	वाणिज्य स्नातक प्रथम सत्र	26	6	3	2			2	2	31	10	41
		वाणिज्य स्नातक तैसरा सत्र	16	5	3	2			3	2	22	09	31
		वाणिज्य स्नातक पांचवां सत्र	24	25	3	7			2	2	29	34	63
		जमा	**66**	**36**	**9**	**11**			**7**	**5**	**82**	**53**	**135**
3	विज्ञान स्नातक	विज्ञान स्नातक प्रथम सत्र	24	33	2	2			3	2	29	37	66
		विज्ञान स्नातक तीसरा सत्र	19	9	13	14			4	2	36	25	61
		विज्ञान स्नातक पांचवां सत्र	26	25	16	14			4	1	46	40	86
		जमा	**69**	**67**	**31**	**30**			**11**	**5**	**111**	**102**	**213**
		कुल जमा	**336**	**402**	**176**	**204**	**4**	**3**	**44**	**47**	**506**	**656**	**1216**

वार्षिक परीक्षा परिणाम

शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु परीक्षा परिणाम बहुत महत्वपूर्ण संकेत होते हैं। संस्थान के नए शैक्षणिक सत्र का आरम्भ प्रशंसनीय परीक्षा परिणामों के साथ हुआ है। कई विषयों में प्राध्यापक–विद्यार्थी अनुपात अधिक होने के बावजूद सुयोग्य प्राध्यापकों ने उत्तम परिणाम दिए हैं।

इसके लिए संस्थान के समस्त प्राध्यापक वर्ग और छात्र वर्ग बधाई के पात्र है। परिणाम का विवरण निम्नलिखित हैः

क्र॰ सं॰	संकाय एवं कक्षा	कुल छात्र	उत्तीर्ण छात्र	महाविद्यालय प्रतिशतता
1.	कला स्नातक चतुर्थ सत्र	216	165	76%
2.	कला स्नातक छठा सत्र	180	180	100%
1.	वाणिज्य स्नातक चतुर्थ सत्र	63	32	50%
2.	वाणिज्य स्नातक छठा सत्र	63	63	100%
1.	विज्ञान स्नातक चतुर्थ सत्र	86	47	55%
2.	विज्ञान स्नातक छठा स्नातक	51	51	100%

शैक्षणिक भ्रमण

महाविद्यालय बन्जार की ओर से तीन दिवसीय **(17–19 मार्च 2018)** शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। 50 विद्यार्थियों ने यह भ्रमण स्वर्ण मन्दिर अमृतसर, बागा बोर्डर, सांईस सिटी जालन्धर में किया। इसका आयोजन महाविद्यालय के **प्रो॰ दीप कुमार** तथा **प्रो॰ मोनिका नेगी** द्वारा किया गया।

छात्रवृतियाँ

सत्र 2017–18 में अलग–अलग योजनाओं के द्वारा विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृतियाँ प्रदान की गई जिसका वर्णन इस प्रकार से है :

क्र॰ सं॰	छात्रवृति श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या	रकम (रू॰)
1.	अनुसूचित जाति (S. C.)	25	1,08,680
2.	अनुसूचित जनजाति (S. T.)	0	–
3.	कल्पना चावला छात्रवृति योजना	6	90,000
4.	अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)	4	13,554
5.	आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (EBC)	1	3,646
6.	एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP)	9	10,800

केन्द्रीय छात्र परिषद

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के दिशा निर्देशानुसार **7 सितम्बर 2017** को केन्द्रीय छात्र परिषद गठित की गई। कार्यकारी समिति के लिए निम्न पदाधिकारियों को निर्वाचित किया गया :

अध्यक्ष	:	अर्चना ठाकुर	–	विज्ञान स्नातक पांचवां सत्र।
उपाध्यक्ष	:	कन्नूश्री	–	कला स्नातक पांचवां सत्र।
सचिव	:	तेजेन्द्र ठाकुर	–	वाणिज्य स्नातक तीसरा सत्र।
सह सचिव	:	माया देवी	–	कला स्नातक प्रथम सत्र।

केन्द्रीय छात्र परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों को **13 सितम्बर 2017** को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस परिषद में चार (4) पदाधिकारी व उन्नीस (19) सदस्य हैं। केन्द्रीय छात्र परिषद के पदाधिकारी व सभी सदस्य संस्थान द्वारा किए जाने वाले विकास एवं छात्र हितों के लिए किए जाने योग्य कार्यों में महाविद्यालय प्रशासन के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

अध्यापक–अभिभावक संघ

संस्थान के विभिन्न विकासात्मक कार्यों, छात्रों, अभिभावकों और महाविद्यालय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के नियमानुसार अध्यापक–अभिभावक संघ का गठन किया गया है। इस वर्ष संस्थान के प्राचार्य डॉ॰ मनदीप शर्मा की अध्यक्षता में सत्र 2017–18 के लिए अध्यापक–अभिभावक संघ के लिए निम्न पदाधिकारियों का चुनाव किया गया :

प्रधान	:	श्री प्रीतम सिंह ठाकुर
उपप्रधान	:	मुनीष कुमार
सचिव	:	डॉ॰ जोगिन्दर ठाकुर
सहसचिव	:	श्री दलीप सिंह
मुख्य सलाहकार	:	श्री गिरधारी लाल

महाविद्यालय पत्रिका

तेज़ी से यांत्रिक होते जा रहे इस दौर में मनुष्य में, समाज के उन वर्गों के प्रति चेतना लाने हेतु, जो हाशिए पर हैं, के प्रति संवेदना व सहानुभूति जागृत करने की दृष्टि से पढ़ने–लिखने का माहौल तैयार करने के उद्देश्य से संस्थान की पत्रिका **'सिराज शिखा'** प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है। जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विचार एवं भावनाओं को व्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है। पत्रिका की मुख्य सम्पादिका डॉ॰ बिनता ठाकुर हैं तथा इस सत्र के विभिन्न विषयों के प्राध्यापक एवं छात्र सम्पादकों का विवरण इस प्रकार से है :

क्र॰ सं॰	**विभाग**	**प्राध्यापक सम्पादक**	**छात्र सम्पादक**	
1.	अंग्रेजी	डॉ॰ बिनता ठाकुर	रोशनी	बी॰ ए॰ छठा सत्र
2.	हिन्दी	डॉ॰ कंचन कुमारी	कौशल्या देवी	बी॰ ए॰ छठा सत्र
3.	पहाड़ी	डॉ॰ जोगिन्दर ठाकुर	ललिता ठाकुर	बी॰ एस॰ सी॰ छठा सत्र
4.	संस्कृत	डॉ॰ रत्नेश त्रिपाठी	गुंजना देवी	बी॰ ए॰ चतुर्थ सत्र
5.	वाणिज्य	प्रो॰ मोनिका नेगी	भूपेन्दर ठाकुर	बी॰ ए॰ छठा सत्र
6.	विज्ञान	डॉ॰ रमेश यादव	देवेश्वरी	बी॰ एस॰ सी॰ छठा सत्र

पुस्तकालय

एक अच्छी पुस्तक सर्वोतम मित्र होती है। पुस्तकालय हमें सिखाता है कि पढ़ना इसलिए आवश्यक नहीं है कि हमें किसी का विरोध करना हैं, या किसी को गलत सिद्ध करना है, बल्कि प्रत्येक बात को तोलने एवं उस पर विचार करने के लिए अध्ययन आवश्यक है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालय के पुस्तकालय में छात्र एवं छात्राएं 5,900 पुस्तकों, 6 प्रत्रिकाओं तथा 6 समाचार पत्रों का लाभ उठा रहे हैं। राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक **प्रो॰ दीप कुमार** व कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक **श्री ओम प्रकाश** पुस्तकालय का कार्यभार संभाल रहे हैं। पत्रिकाओं में **'प्रतियोगिता दर्पण', 'हिम प्रतियोगिता संसार', 'सांईस रिपोर्टर', 'कम्पीटिशन रिफरेशर', 'सफलता',** शामिल है। समाचार पत्रों में **'द ट्रिब्यून', 'द इंडियन एक्सप्रेस', 'पंजाब केसरी', 'अमर उजाला', 'दिव्य हिमाचल'** और **'इम्पलॉयमेन्ट न्यूज़पेपर'** प्रमुख है।

इंदिरा गान्धी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

महाविद्यालय में सभी वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए इंदिरा गान्धीराष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का केन्द्र सन् 2008 में अस्तित्व में आया। **डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर** इसके समन्वयक हैं। **2008** से कार्यरत इस अध्ययन केन्द्र में विद्यार्थियों की संख्या **9** से बढ़कर **444** हो गई है। इस समय यहाँ कला, वाणिज्य संकाय के अर्न्तगत अंग्रेजी, हिन्दी, समाजशास्त्र, राजनीतिक शास्त्र, लोक प्रशासन, अर्थ शास्त्र आदि विषयों के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में स्नातक और स्नाकोत्तर कार्यक्रम भी इसमें सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न विषयों में सर्टीफिकेट और डिप्लोमा भी इस कार्यक्रम के अर्न्तगत शामिल किए गए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। **डॉ॰ शीतल ठाकुर** इस प्रयोगशाला का संचालन कर रही हैं। इसमें 24 कम्प्यूटर तथा प्रोजेक्टर की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापन कार्य रूचिपूर्ण बनाने एवं नई तकनीक से जोड़ने हेतु शैक्षणिक सत्र 2017–18 में तीनों संकाय की कक्षाएं समय–समय पर इस प्रयोगशाला में लगायी जाती हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम एवं ऑनलाइन परीक्षा एवं छात्रवृति फॉर्म भरने की सुविधा प्रयोगशाला में उपलब्ध करवाई गई है।

अधिकारिक कार्यशाला सहभागिता

अधिकारिक कार्यशाला सहभागिता का विवरण इस प्रकार से है :

- शैक्षणिक सत्र **2016–17** में रूसा के समन्वयक उप प्राचार्य **प्रो॰ तेज़ सिंह वर्मा** ने एक दिन की कार्यशाला जिसका आयोजन महाविद्यालय सन्जौली में **3 अगस्त 2017,** उच्च शिक्षा निदेशालय (DHE) शिमला में **4 दिसम्बर 2017** में रूसा के सन्दर्भ में समीक्षा एवं परामर्श पर एक दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी सुनिश्चित की।
- शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित **'Induction Programme'** के तहत धर्मशाला में महाविद्यालय के **प्रो॰ अतुल चौधरी** और **प्रो॰ मोनिका नेगी** ने 15 दिवसीय प्रशिक्षण में क्रमशः **1 मई 2017 से 13 मई 2017, 18 सितम्बर से 30 सितम्बर** की समयावधि में भाग लिया।

- **डॉ॰ योग राज** (लोक प्रशासन) ने एकैडमिक स्टाफ कॉलेज शिमला (7 अगस्त – 2 सितम्बर 2017) तथा **प्रो॰ दीप कुमार** (राजनीति शास्त्र) ने गुरू नानक देव विश्वविद्यालय (28 नवम्बर – 25 दिसम्बर) की ओर से लगाए गए **Orientation Programme** में भाग लिया।
- **डॉ॰ बिनता ठाकुर** ने क्षेत्रिय अस्पताल कुल्लू में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कुल्लू द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।
- हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासन संस्थान (शिमला) द्वारा आयोजित **'Community Based Disaster Management'** तीन दिवसीय कार्यशाला में **डॉ॰ रत्नेश त्रिपाठी** उपस्थित रहे।

रेड रिबन क्लब

1 दिसम्बर 2017 को **"रेड रिबन क्लब"** द्वारा 'एड्स कन्ट्रोल प्रोग्राम आफिसर' कुल्लू के सहयोग से एड्स जागरूकता दिवस मनाया गया। इस क्लब के संचालक **डॉ॰ रमेश कुमार यादव हैं।** 2017 विश्व एड्स दिवस का विषय **'स्वास्थ्य का अधिकार'** रखा गया था। प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय बन्जार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के विद्यार्थी सभी शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद थे। 'एड्स' विषय को केन्द्रित करके विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें भाषण, पोस्टर बनाना, नारा लेखन जैसी गतिविधियाँ शामिल थी। प्रत्येक वर्ग से जीतने वाले प्रतिभागी को **(प्रथम, द्वितीय, तृतीय)** नकद पुरस्कार की राशि क्रमशः **500, 400, 300** मुख्यातिथि द्वारा प्रदान की गई।

जीविकोपार्जन परामर्श एवं प्रस्थापन प्रकोष्ठ (Career Counseling and Placement Cell)

- छात्रों को अपने करियर के प्रति जागरूक बनाने तथा रोज़गार के विभिन्न अवसर प्रदान करने की दृष्टि से इसी सत्र में प्राचार्य महोदय **डॉ॰ मनदीप शर्मा** की अध्यक्षता में एक प्रकोष्ठ बनाया गया है। जो छात्रों को उनके करियर के सम्बन्ध में सुझाव देने का प्रयास करता है।
- 2017–18 के सत्र में छात्रों की रूचियों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए रोज़गार सम्बन्धी जानकारियां **प्राचार्य महोदय, डॉ॰ रमेश त्रिपाठी, डॉ॰ शीतल ठाकुर** द्वारा प्रदान की गई।

- समय–समय पर प्राचार्य महोदय ने छात्रों के साथ बैठक में उन्हें जीविकापार्जन परामर्श दिए।

महिला एवं बाल संरक्षण प्रकोष्ठ

महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण हेतु सत्र **2017–18 में डॉ॰ रेणुका थपलियाल** की अध्यक्षता में महिला एवं बाल संरक्षण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। राजकीय महाविद्यालय बन्जार ने हिमाचल प्रदेश राज्य महिला आयोग के दिशा निर्देशानुसार महिला एवं बाल संरक्षण प्रकोष्ठ के अर्न्तगत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नारा, निबन्ध लेखन, भाषण प्रतियोगिता आरयोजित की गई। मुख्यातिथि के रूप में महाविद्यालय बन्जार के प्राचार्य डॉ॰ मनदीप शर्मा उपस्थित रहे। अन्य अतिथि गणों में सहायक उप निरीक्षण (ASI) **श्री दीवान सिंह**, **सक्षम प्राधिकारी** (नोडल ऑफिसर) **श्री जय राम ठाकुर (पुलिस थाना बन्जार),** बाल विकास परियोजना अधिकारी **श्री मोती राम** उपस्थित रहे।

प्रत्येक वर्ग में जीतने वाले प्रतिभागी को नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। जिसका विवरण इस प्रकार हैः

	निबन्ध लेखन	**नारा लेखन**	**भाषण प्रतियोगिता**
प्रथम पुरस्कार	हिना कुमारी	शिवानी	ललिता कुमारी
द्वितीय पुरस्कार	मीमांसा दुग्गल	हिना कुमारी	मीमांसा दुग्गल
तृतीय पुरस्कार	मोनिका	योग राज	प्रसन्ना

राष्ट्रीय सेवा योजना (N S S)

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य छात्र वर्ग में सामुदायिक सेवा की भावना उत्पन्न कर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास करना है। योजना संयोजक **डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर** के कुशल निर्देशन में 100 स्वयं सेवियों ने सामुदायिक सेवा के कई कार्य किए हैं। सत्र 2017–18 के दौरान इन स्वयंसेवियों की सेवाओं एवं गतिविधियों का विवरण इस प्रकार से है –

- **24 सितम्बर 2017** को राष्ट्रीय सेवा योजना **स्थापना दिवस** के अवसर पर व्याख्यान, लोकगीत तथा लोकनृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- 26–27 सितम्बर 2017 को **'इक्को क्लब'** के संयोजक **डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर** के दिशा निर्देशन में वृक्षारोपण स्वयं सेवियों द्वारा किया गया।
- 6 फरवरी से 12 फरवरी 2018 तक **सात दिवसीय शिविर** का आयोजन किया गया। जिसमें 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें बल्लागड़ पंचायत के **'बल्ला' गाँव** में जाकर विकास और जागरूकता की गतिविधि का कार्यान्वयन किया गया।
- **स्काउट एडं गाइड** की महाविद्यालय बन्जार की यूनिट ने **स्वतन्त्रता एवं गणतन्त्र दिवस** बन्जार की परेड में भाग लिया।

खेल–कूद

शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर **डॉ॰ सुनील सेन** के कुशल दिशा निर्देश में छात्र एवं छात्राओं ने खेल सम्बन्धी गतिविधियों में अपनी परम्परा को निरन्तर बढ़ाते हुए प्रशंसनीय उपस्थिति दर्ज़ कराई। डॉ॰ सुनील सेन का स्थानान्तरण होने के कारण इसका कार्यभार डॉ॰ त्रिपाठी को सौंपा गया है। महाविद्यालय के छात्रों ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न अन्तर्महाविद्यालय क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसका विवरण इस प्रकार से है :

- यह बहुत हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय के इतिहास में पहली बार संस्थान को अन्तर्महाविद्यालय **X Country** प्रतिस्पर्धा का आयोजन करने का अवसर प्रदान हुआ जिसमें **29 अगस्त, 2017** को महिला और पुरूष दोनों वर्गो में महाविद्यालय की भागीदारी रही। जिसका सफल आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया गया।
- महाविद्यालय की वॉलीवाल महिला वर्ग की टीम ने महिला अन्तर्महाविद्यालय **वॉलीवाल** प्रतिस्पर्धा जिसका **5–7 सितम्बर, 2017** को आयोजन महाविद्यालय अर्की द्वारा किया गया, में भाग लिया।
- महाविद्यालय नेरवा द्वारा आयोजित पुरूष अन्तर्महाविद्यालय **खो–खो** चैम्पियनशिप में संस्थान की ओर से पुरूष वर्ग में **7–9 सितम्बर, 2017** में भाग लिया।
- संस्थान बन्जार की पुरूष वर्ग की टीम ने **पुरूष अन्तर्महाविद्यालय वॉलीवाल** चैम्पियनशिप में **9–12 अक्तूबर, 2017** को महाविद्यालय सरस्वतीनगर सावड़ा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

- पुरूष वर्ग ने संस्थान की ओर से अन्तर्महाविद्यालय **क्रिकेट** प्रतिस्पर्धा में महाविद्यालय कुल्लू में **4 अक्तूबर 2017** को भाग लिया।
- बी॰ ए॰ पांचवां सत्र के छात्र **विक्रम वर्मा** ने रामपुर ज्योरी में हुए सीनियर **स्टेट बॉक्सिंग** प्रतिस्पर्धा में **कांस्य पदक** हासिल किया। साथ ही निक्का राम, घनश्याम, कुलदीप कुमार ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।
- **पुष्पा** बी॰ ए॰ तृतीया सत्र की छात्रा ने कुल्लू में हुए सीनियर **स्टेट बॉक्सिंग** प्रतिस्पर्धा के महिला वर्ग में **कांस्य पदक** हासिल किया, तथा हिना देवी, रीना देवी ने इस प्रतिस्पर्धा में भाग लिया।
- **डॉ॰ सुनील सेन** (शारीरिक शिक्षा) **हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय** की **X Country** महिला एवं पुरूष वर्ग की ऑल इंडिया अन्तर्महाविद्यालय प्रतिस्पर्धा जो 30 अक्तूबर 2017 को विश्वैश्वरया तकनीकी विश्वविद्यालय कर्नाटक द्वारा आयोजित की गई में टीम के **कोच** के रूप में विद्ययमान रहे। साथ ही **प्रो॰ राजेश शर्मा** (रसायन शास्त्र विभाग) इस प्रतिस्पर्धा में टीम के **प्रबन्धक** के रूप में मौजूद रहे।
- **20 मार्च, 2018** को संस्थान द्वारा **क्रीड़ा दिवस** का आयोजन किया गया। इसमें महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट **चेतन कुमार** बी॰ ए॰ चतुर्थ सत्र को तथा पुरूष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट **कौशल्या** बी॰ ए॰ छठा सत्र को चुना गया।

प्राधयापकों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ

एक अध्यापक अनन्तकालीन प्रभाव डालता है, वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहाँ और कब रूकेगा? ये बात हमारे महाविद्यालय पर भी स्टीक बैठती है। इसी समर्पित भाव के कारण सभी प्राध्यापक जहाँ विद्यार्थियों के प्रति निष्ठावान है, वहीं ज्ञानार्जन एवं शोध कार्यों में भी लीन रहकर ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। संस्थान के प्राध्यापकों की शैक्षणिक उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है :

- **डॉ॰ कंचन कुमारी** ने इसी वर्ष हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से **पीएच॰ डी॰** (विद्यावाचस्पति) की उपाधि प्राप्त की तथा **20–31 अगस्त, 2017** की दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय सोलन द्वारा आयोजित, में **'व्यंग्य के तेवर : नयी कविता'** विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

- **डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर** ने **"Studies on Mycorrhiza in Pinus Geradiana wal. exD. Don, a threatened pine of the NW Himalaya"** नाम से शोधपत्र पुस्तक **'Developments in Fungal Bialogy and Applied Mycology'** (ISBN 978-981-10-4768-8) में प्रकाशित किया।
- **डॉ॰ रेणुका थपलियाल** ने **एस॰ एस॰ हापुर** और **एम॰ आर॰ ई॰** मेरठ विश्वविद्यालय में **"Sustainable development and Conservation of water"** विषय पर आमन्त्रित अतिथि व्याख्यान दिया।
- **डॉ॰ शीतल ठाकुर** ने महाविद्यालय कुल्लू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय (28–29 दिसम्बर 2017) और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (3–4 मार्च 2018) में दो शोध पत्र प्रस्तुत किए। जिनके शीर्षक **'Role of Society in Managing Natural Resources', Importance of Human values in the Society'** हैं।
- **प्रो॰ राजेश शर्मा** ने **आई॰ आई॰ टी॰ कानपुर** द्वारा आयोजित दो राष्ट्रीय सेमिनार (23–26 मार्च, 27 मार्च 2017) में भाग लिया जिनका विषय क्रमशः **'Molecular thin films', 'Molecular eletronics'** है।
- **प्रो॰ राजकुमार रॉय** ने महाविद्यालय कुल्लू द्वारा 3–4 मार्च, 2018 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में **'मानव मूल्य एवं सामाजिक सरोकार'** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- **डॉ॰ हेमेन्द्र** ने 3–4 मार्च, 2017 को कुल्लू में हुए अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।
- **डॉ॰ रत्नेश त्रिपाठी** ने महाविद्यालय कुल्लू द्वारा **(28–29 दिसम्बर 2017)** को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन **'Management of Natural Resources and Enviornmental Issues'** तथा एक दिवसीय संगोष्ठी **'Issues and Challenges of Garbage in the Himalaya'** विषय पर (28 फरवरी, 2018) बचत भवन शिमला में भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

- संस्थान की विशेष उपलब्धियों को गिनाते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि महाविद्यालय के इतिहास में पहली बार संस्थान को अन्तर्महाविद्यालय की **'X Country'** प्रतिस्पर्धा का आयोजन करने का सुअवसर प्राप्त हुआ और जिसका सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इसमें दर्ज की जाने वाली संख्या के हिसाब से प्रतिभागियों की भागीदारी हुई और बन्जार उप–मण्डल के कई होटल्ज़ को आर्थिक रूप से लाभान्वित हुये।

- सत्र में महाविद्यालय प्रबन्धन के अनथक प्रयासों से **एन॰ सी॰ सी॰ (NCC)का थल सेना** का विंग खोला गया।
- विगत कुछ वर्षों से **रसायन विज्ञान** छात्रों की प्रयोगशाला निर्माण की मांग को डॉ॰ मनदीप शर्मा के सुयोग्य नेतृत्व में पूरा किया गया। इसकी निर्माण लागत **1 लाख 15 हज़ार 336** रूपये थी जो **सांईस निधि** से खर्च की गई।
- **केन्द्रीय छात्र परिषद** एवं **गैर शिक्षक संघ** की मांग को ध्यान में रखते हुए **1 लाख 43 हज़ार 423** रूपये की लागत से केबिन बनाए गए, जिसका व्यय **रूसा निधि** से किया गया।
- महाविद्यालय के पिछले भाग में **इको क्लब** द्वारा **वनस्पति उद्यान** बनाया गया। जिसमें संस्थान के प्रत्येक छात्र ने पौधारोपण करते हुए **1216** पौधे आरोपित किए गए। यह कार्य इको क्लब के संयोजक **डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर** के दिशा–निर्देशन में पूरा किया गया।
- महाविद्यालय की चार दीवारी **(Boundry Wall)** जो निर्माणाधीन थी, को सत्र में पूर्ण कर दिया गया।
- महाविद्यालय में खेल के मैदान विस्तारण हेतु आदरणीय **ज़िलाधीश** द्वारा **5 लाख** रूपये की राशि दी गई जिससे संस्थान के मैदान का विस्तार किया गया।
- संस्थान में खेल के मैदान की ज़रूरत को देखते हुए प्राचार्य महोदय ने पदासीन होते ही महाविद्यालय में एक और मैदान का निर्माण कार्य **32 हज़ार 800** रूपयों में **पी॰ टी॰ ए॰ निधि** से करवाया।
- महाविद्यालय के पुस्तकालय में **प्रशासनिक व विभिन्न प्रतिस्पर्धा** की विशेष पुस्तकें रू**सा निधि से 3 लाख 99 हज़ार 454** रूपयों में छात्रों के लिए उपलब्ध करवाई गई।
- खेल–कूद से सम्बन्धित सामग्री **4 लाख 2 हज़ार 173** रूपयों से **रूसा निधि** से क्रय की (खरीदी) गई।
- महाविद्यालय को रूसा के तहत **50 लाख** की आर्थिक निधि प्राप्त हुई है जिसे संस्थान द्वारा विभिन्न रचनात्मक कार्यों पर जिसमें उपरवर्णित कार्य भी शामिल हैं खर्च किया जा रहा है। कला मंच के विस्तार हेतु इस रूसा निधि का प्रयोग किया जाना है।
- संस्थान के मैदान में छात्रों को बैठने की सुविधा प्रदान करने हेतु अनेक बैंचों का निर्माण किया गया है, इसके लिए **एकीकृत निधि** से **27 हज़ार 500** रूपये व्यय किए गए हैं।

धन्यवाद ज्ञापन

मैं समस्त महाविद्यालय परिवार की ओर से माननीय मुख्यातिथि विधानसभा सदस्य बन्जार श्री सुरेन्द्र शौरी जी का आभार प्रकट करता हूँ। जिन्होंने व्यस्ताओं के बावजूद हमारे वार्षिकोत्सव पर पधार कर हम सब का उत्साहवर्धन किया है। संस्थान के सभी प्राध्यापकों, केन्द्रीय छात्र परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य अध्यापक–अभिभावक संघ, गैर शिक्षक कर्मचारी और समस्त छात्र व छात्राओं का धन्यवाद करना चाहता हूँ जिन्होंने इस समारोह को सफल बनाने में सहयोग दिया है।

मैं उन सभी प्रतिभाशाली छात्र व छात्राओं को बधाई देती हूँ, जिन्हें आज पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर मिला है और आशा करता हूँ कि भविष्य में सभी विद्यार्थी इस दिशा में प्रयासरत रहेंगे।

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय,बन्जार
कुल्लू (175123) (हि॰ प्र॰)

महाविद्यालय बन्जार के शिक्षक वर्ग की सूची

क्र॰ सं॰	शिक्षक कर्मचारी	पद
1.	डॉ॰ मनदीप शर्मा	प्राचार्य
2.	प्रो॰ तेज सिंह वर्मा	गणित विभाग
3.	डॉ॰ जोगिन्दर सिंह ठाकुर	वनस्पति विज्ञान विभाग
4.	डॉ॰ रेणिका थपलियाल	भूगोल विभाग
5.	डॉ॰ बिनता ठाकुर	अंग्रेजी विभाग
6.	प्रो॰ गोविन्द सिंह	भूगोल विभाग
7.	सहायक प्रो॰ राज कुमार	इतिहास विभाग
8.	डॉ॰ योग राज	लोक प्रशासन विभाग
9.	सहायक प्रो॰ दीप कुमार	राजनीति शास्त्र विभाग
10.	डॉ॰ हेमेन्द्र शर्मा	संगीत विभाग
11.	डॉ॰ रत्नेश त्रिपाठी	अर्थशास्त्र विभाग
12.	डॉ॰ शीतल ठाकुर	समाज शास्त्र विभाग
13.	डॉ॰ संजीव कुमार	गणित विभाग
14.	सहायक प्रो॰ अतुल चौधरी	भौतिक शास्त्र विभाग
15.	सहायक प्रो॰ राजेश कुमार	रसायन विज्ञान विभाग
16.	सहायक प्रो॰ मोनिका नेगी	वाणिज्य विभाग
17.	डॉ॰ कंचन कुमारी	हिन्दी विभाग

महाविद्यालय बन्जार के गैर शिक्षक वर्ग की सूची

क्र॰ सं॰	गैर शिक्षक कर्मचारी वर्ग	पद
1.	श्रीमती धनवन्ती कौशल	अधीक्षक
2.	श्री दलीप सिंह	वरिष्ठ सहायक
3.	श्री निहाल सिंह	लिपिक
4.	श्री यशपाल ठाकुर	कनिष्ठ कार्यालय सहायक
5.	श्री प्यार चन्द	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
6.	श्री भीम सेन	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
7.	श्री ओम प्रकाश	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
8.	श्री ठाकुर सिंह	चपरासी
9.	श्रीमती संध्या देवी	चपरासी
10.	श्री डोला राम	चौकीदार
11.	श्री जीत राम	मेहतर

जो भरा नहीं है भावों से
बहती जिसमें रसधार नहीं
हृदय नहीं वो पत्थर है
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं

(मैथिलीशरण गुप्त)

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं
सारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

दुष्यंत कुमार
(साये में धूप)